

फर्द अहकाम

(नियम-13)

(General Rules (Civil), Rule 103, Appendix 'B' Form No. 91)

आज अदालत उपरवाड इलिकाम 8200 मुकाम श्रीवान्त
केसर देवी पत्नी हल्लात मेगवंधी बनाम रविकान्त पुत्र हरिपू लप 1/2
किस्म मुकदमा शाब्दाद W 53, 100 RT 41 सं. 1-23 सन 2014

तारीख हुक्म हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुये

6/2/2014
30/4
28/5
20/8

आज यह बाद वाली ने प्रतिवादीगण के विरुद्ध अ. / धारा. 53, 88... में पेश किया दर्ज हो प्रतियादीगण को दायर जारी हो मिसल दिनांक: 7-3-14 को पेश हो।
सहायक क्लर्क
श्रीवान्त
पत्रावली पेश हुई। श्रीमान् P.O. सा. अवकाश अन्य कार्य। दौरे पर पधारे हैं, मिसल दिनांक... 30/4/14 को पेश हो।
वही नदी उपर।
साहित्य आदेश कीजलन में 1/4 तक पेश करे पेश होने पर रुकत जारी हो पत्रावली का रत तलवी दिनांक 28/5/14 को पेश हो।
पत्रावली पेश हुई। श्रीमान् P.O. सा. अवकाश अन्य कार्य। दौरे पर पधारे हैं, मिसल दिनांक... 30-6-14 को पेश हो।
पत्रावली पेश हुई। श्रीमान् P.O. सा. अवकाश अन्य कार्य। दौरे पर पधारे हैं, मिसल दिनांक... 19/8/14 को पेश हो।
पत्रावली पेश हुई। बार संघ ने अदालती कार्य स्थगित रखा हैं, मिसल दिनांक... 20/8/14 को पेश हो।



16/12/25

पत्रावली पेश हुई । श्री मान P.O. सा
अवकाश/अन्य कार्य/दौरे पर पधारे है।
मिसल दिनांक 23/12/25 को पेश हो

21/12/25

23/12/25

पत्रावली पेश हुई । श्री मान P.O. सा
अवकाश/अन्य कार्य/दौरे पर पधारे है।
मिसल दिनांक 30/12/25 को पेश हो

21/12/25

30/12/25

पत्रावली पेश हुई ।
बार संघ डीडवाना ने न्यायिक कार्य स्थगित रखे है।
पत्रावली दिनांक 6/1/26 को पेश हो

21/1/26

6/1/26

पत्रावली पेश हुई । श्री मान P.O. सा
अवकाश/अन्य कार्य/दौरे पर पधारे है।
मिसल दिनांक 13/1/26 को पेश हो

21/1/26

13/1/26

पत्रावली पेश हुई ।
बार संघ डीडवाना ने न्यायिक कार्य स्थगित रखे है।
पत्रावली दिनांक 20/1/26 को पेश हो

21/1/26

20/1/26

पत्रावली पेश हुई । श्री मान P.O. सा
अवकाश/अन्य कार्य/दौरे पर पधारे है।
मिसल दिनांक 10/2/26 को पेश हो

21/2/26

10/02/26

पत्रावली पेश हुई ।
बार संघ डीडवाना ने न्यायिक कार्य स्थगित रखे है।
पत्रावली दिनांक 17/02/26 को पेश हो

21/2/26

19.02.26

पत्रावली पेश हुई व कुलाम उपन
पत्रावली वाले वाली सारथ दिनांक 24.02.26
को पेश हो

WRA

24.02.26

पत्रावली पेश हुई
वादीगठ व वकील वादीगठ को बार-बार आवान
लगावे के बावजूद -याथालय में उपस्थित नहीं
होते पर पत्रावली अदम एजलि कदम परकी में
स्वार्थिज की जाती है। पत्रावली फ़ैल सुपाद
होकर नमूद से कभ हो

WRA